ज़कात के लिए आसान मार्गदर्शन (2 का भाग 2)

रेटिंग:

विविरण: ?? ?? ??????? ?? ?????? ?? ???? ??????? ??? ?? ??, ????? ?? ???? ??? ????? ?????? ??, ?? ???? ????? ?? ???? ???? ?? ??? ?????????? ?? ????? ????

श्रेणी: पाठ › पूजा के कार्य › ज़कात

द्वारा: Imam Mufti (© 2012 NewMuslims.com)

प्रकाशित हुआ: 08 Nov 2022
अंतिम बार संशोधित: 07 Nov 2022

उद्देश्य

·यह जानना कि स्टॉक, शेयरों और 401k पर ज़कात की गणना कैसे की जाती है।

·लोगों की उन आठ श्रेणियों को जानना जिन्हे ज़कात दे सकते हैं।

·ज़कात देने के तरीके के बारे में कुछ व्यावहारिक सुझाव जानना।

अरबी शब्द

·*?????* - अनिवार्य दान।

·*?????* - स्वैच्छिक दान।

·*?????* - एक संघर्ष, किसी निश्चित मामले में प्रयास करना, और एक वैध युद्ध से संबंधित।

स्टॉक, शेयर और 401K पर ज़कात

ज़कात की गणना ज़कात की निश्चित तारीख पर कुल पोर्टफोलियो मूल्य के 2.5% की मानक दर से की जाती है क्योंकि उन्हें लाभ की उम्मीद के साथ खरीदा जाता है, और पैसे के लिए आसानी से बेचा जा सकता है।

शॉर्ट-टर्म ट्रेडर्स को एक स्थापति वार्षकि ज़कात के लिए नश्चिति तारीख पर स्टॉक मूल्यों का अनुमान लगाना चाहिए, मूल्य में उतार-चढ़ाव की परवाह किए बिना, और कुल पोर्टफोलियो मूल्य का 2.5% का भुगतान करना चाहिए।

सभी खातों जैसे 401K, केओघ (टैक्स-स्थगति पेंशन)योजना, आईआरए, एसईपी-आईआरए, रोथ आईआरए, आदि को 2.5% वार्षकि की दर से जकात योग्य माना जाता है। आम तौर पर नकिासी के लिए नविेशक के पास सभी रूपए उपलब्ध नहीं होते हैं, आमतौर पर नकिासी के लिए 50% तक की अनुमति दी जाती है। इसलिए, कुछ विद्वानों द्वारा निम्नलिखित सूत्र सुझाया गया है:

नकिासी राशि - नर्धिारति दंड - नर्धिारति कर = जकात योग्य राशि

ज़कात कौन ले सकता है?

क़ुरआन हमें बताता है कि किसि-किसि को ज़कात लेने का हक है। क़ुरआन के अध्याय अत-तौबा (9:60) में आठ श्रेणियां हैं:

1. गरीब

गरीब लोग जनिके पास अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त धन नहीं है, वे ज़कात लेने के योग्य हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि वे दरदि्र हैं, लेकनि अपनी जरूरतों को पूरा नहीं कर सकते हैं और फरि भी वे दूसरों से वनिय और आत्म-सम्मान की भावना से मदद नहीं मांगते हैं।

2. नरिाश्रति

ये वे लोग होते हैं जो इतने गरीब हैं कि उनके पास अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए कुछ भी नहीं है। जाहरि है, वे पहली श्रेणी से भी बदतर स्थिति मे होते हैं।

3. ज़कात प्रबंधक

ज़कात इकट्ठा करने और बांटने करने के लिए जम्मिेदार लोगों को उनके काम के लिए ज़कात फंड से भुगतान किया जा सकता है। वे मजदूरी ले सकते हैं चाहे वे गरीब हों या नहीं।

4. नए मुसलमान

जनि लोगों ने हाल ही में इस्लाम स्वीकार कयिा है उन्हें ज़कात दी जा सकती है। लोगों को उनका समर्थन लेने या उनके वरिोध को कम करने के लिए ज़कात से पैसे भी दिए जा सकते हैं।

5. गुलामों को मुक्त करना

अतीत में, ज़कात के पैसे का इस्तेमाल दासों को मुक्त कराने के लिए भी कयिा जाता था। क़ुरआन ने इसे ज़कात से पैसे खर्च करने के वैध तरीकों में से एक माना है। यह गुलामों के साथ इस्लाम की करुणा भरे व्यवहार की स्पष्ट अभव्यिक्त िहै। इस्लाम ने गुलामों को मुक्त करने को ईश्वर को प्रसन्न करने वाली पूजा का दर्जा दयिा। जहां तक इस लेखक की जानकारी है, कसिी अन्य धर्म ने ऐसा नहीं कयिा है।

6. कर्ज चुकाना

जो लोग कर्ज के बोझ तले दबे हैं और उनके पास खुद भुगतान करने का कोई तरीका नहीं है, वे भी ज़कात राश िले सकते हैं। ये चकित्सिा कारणों, ववािह या अन्य वैध खर्चों के लिए लयिा गया ऋण हो सकता है।

7. अल्लाह की राह मे

अल्लाह के राह मे भी दौलत ख़र्च की जा सकती है। इस्लाम के शास्त्रीय वद्विानों की पारंपरकि समझ यह है क यिह श्रेणी जहिाद या वैध युद्ध के लिए आरक्षति है। बाद के वद्विानों ने इस श्रेणी में इस्लाम के प्रसार और वैचारकि रक्षा के प्रयासों को भी शामलि कयिा है।

8. यात्री

अतीत में लोग यात्रा करते समय धन की कमी के कारण घर वापस नही जा पाते थे और रास्ते मे फंस जाते थे। आज भी कभी-कभी ऐसा होता है। ऐसी स्थित िमें, उन यात्रयिों को ज़कात के पैसे दिए जा सकते हैं। शर्त यह है क िउनकी यात्रा अल्लाह की अवज्ञा करके न हो, बल्क िएक स्वीकार्य कारण के लिए होनी चाहिए जैसे ज्ञान प्राप्त करना, नौकरी की तलाश करना या व्यवसाय करना।

ज़कात कसिको नहीं लेना चाहिए?

एक धनी व्यक्त िअपने माता-पिता को ज़कात नहीं दे सकता क्योंक ये उसकी ज़म्मिेदारी हैं। इसके साथ ही, पत िअपनी पत्नी को ज़कात नहीं दे सकता क्योंक िवह उसकी वत्तिीय जम्मिेदारी है। इसके अलावा, अधकिांश वद्विानों के अनुसार एक गैर-मुस्लमि को ज़कात नहीं दी जा सकती है। गरीब गैर-

मुस्लिमो की सदका या स्वैच्छिक दान से मदद की जा सकती है।

ज़कात देने के व्यावहारिक सुझाव

1. अगर आप किसी गरीब और जरूरतमंद मुसलमान को जानते हैं तो आप सीधे उन्हें पैसा दे सकते हैं।

2. ज्यादातर आपका स्थानीय इस्लामिक केंद्र ज़कात एकत्र करता है और इसे स्थानीय समुदाय के जरूरतमंदों को वितरित करता है या एक धर्मार्थ संगठन के जरिये ये काम करता है। इसलिए, आप हमेशा स्थानीय मस्जिद से पूछ सकते हैं कि क्या वे ज़कात लेते हैं। आपको मस्जिद में "ज़कात" के लेबल वाले बक्से भी मिल सकते हैं जिसमें आप ज़कात के लिए अपना चेक या नकद आसानी से डाल सकते हैं।

3. इसके अलावा, आप ऑनलाइन खोज सकते हैं और कई इस्लामी धर्मार्थ संगठन ढूंढ सकते हैं जो अनाथों के लिए या आपदा प्रभावित क्षेत्रों में भोजन या दवा वितरित करने के लिए ज़कात एकत्र करते हैं।

निम्नलिखित कुछ ऐसे संगठन हैं जिन्हें आप अपनी ज़कात दे सकते हैं:

www.zakat.org

www.islamic-relief.com

www.hhrd.org

विविध मुद्दे

सोने और चांदी के गहनों पर ज़कात दी जाती है। सोने पर ज़कात की गणना गहनों में सोने की मात्रा (यानी कैरेट) और बाजार में उसके मूल्य के अनुसार की जाएगी। इसलिए अपने सोने के मूल्य की गणना करते समय, आपको सही मूल्य (सामग्री और वजन के आधार पर) के लिए एक जौहरी से सलाह लेना चाहिए। गहनों में किसी भी पत्थर पर ज़कात देय नहीं है।

जब आप ज़कात देते हैं तो आपको ज़कात देने का इरादा करना चाहिए। दूसरे शब्दों में, अगर आपने पहले दान में पैसा दिया है और बाद में अगर सोचें कि 'मैंने तो पहले ही दान में इतना कुछ दिया है, यह मेरी ज़कात के रूप में गिना जाएगा।' तो ऐसा नही है।

ज़कात एक बार देय होने पर तुरंत भुगतान किया जाना चाहिए। इसमें देरी नहीं होनी चाहिए जब तक कि ऐसा करने का कोई वैध कारण न हो, जैसे कि गरीबों को ढूंढने की प्रतीक्षा करना।

एक बहुत ही आम और व्यापक गलतफहमी यह है कि किसी धन पर एक बार ज़कात देने के बाद, अगले वर्ष उसी धन पर ज़कात नहीं देनी पड़ेगा। यह निराधार है। वास्तव में, जब तक आपके पास निसाब से अधिक धन है और और उस धन का एक पूर्ण चंद्र वर्ष बीत चुका है, तो उस धन पर हर साल ज़कात देना होगा।

इस लेख का वेब पता

https://www.newmuslims.com/hi/articles/165

कॉपीराइट © 2011 - 2024 NewMuslims.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।